

ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A0714

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 1634

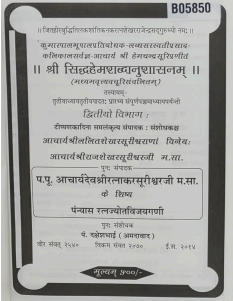
Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 25/03/2023

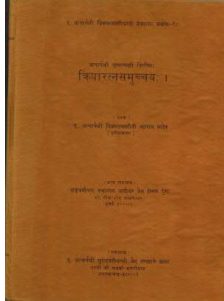
Last Date : 23/06/2023

Sr No.	Vargank No.	Kruti Name
1	AB05850	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग - 2 (मध्यमवृत्ति अवचूरि) (टीका)
2	AB02927	क्रियारत्नसमुच्चय
3	AB02886	श्रीसिद्धहेमचन्द्र शब्दानुशासनम्(रहस्यवृत्ति)
4	AB02881	श्रीसिद्धहेमशब्दानुशासनम् (मध्यमवृत्ति अवचूरिसंवलितम् भाग-2)
5	AA00722	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासनम् भाग-1(आनन्दबोधि वृत्ति, संज्ञा, सन्धि, नाम कारकप्रयन्त)
6	AB02884	श्रीसिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासनम् (तत्त्वप्रकाशिकाख्या बृहद्वृत्या समन्वितम्, छट्ठा-सातमा अध्यायको बीजो खंड)
7	AB02863	श्री सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासनम् (तत्त्वप्रकाशिकाख्या बृहद्वृत्या समन्वितम् पंचाध्यायात्मक प्रथम खंड)
8	AA00661	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासने अज्ञातकर्तृका दुण्डिकावृत्ति (भाग-3) (तृतीयाध्यायस्य द्वितीयपादत आरभ्य चतुर्थाध्याय प्रथमपादपर्यन्तम्)
9	AA00666	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासने अज्ञातकर्तृका दुण्डिकावृत्ति (भाग-4) चतुर्थाध्यायस्य द्वितीयपादत आरभ्य चतुर्थाध्यायस्य चतुर्थपादपर्यन्तम्)
10	AC01211	सिद्धिनां सोपान

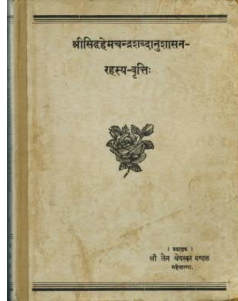
AB05850



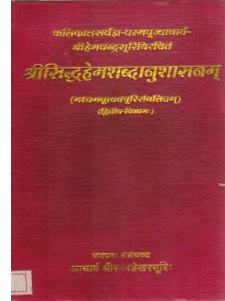
AB02927



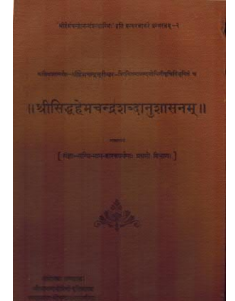
AB02886



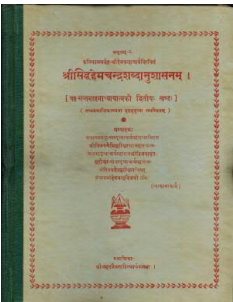
AB02881



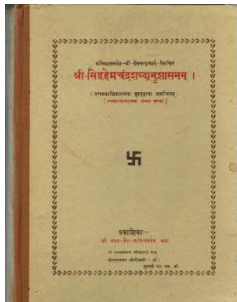
AA00722



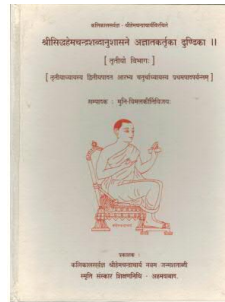
AB02884



AB02863



AA00661



AA00666



AC01211



Notes : AB05850, AB02927, AB02886, AB02881, AA00722, AB02884, AB02863, AA00661, AA00666 - मोक्षनिधि श्रीजी म.सा,
AB02881, AC01211 - हृदयवल्लभसूरि म.सा

AA - A Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AB - B Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे. कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.